राष्ट्रीय सहारा
कानपुर • सोमवार • 15 जनवरी • 2024

'उचित प्रबंधन कर सरसों फसल को रोग एवं कीड़ों से बचाएं'

सीएसए के वैज्ञानिक ने किसानों के लिये जारी की एडवाइजरी

ुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद ृवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर ृप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष ाके विश्वास ने सरसों के रोग एवं कीड़ों से हेतु किसानों के लिए इजरी जारी की है। कहा है कि किसान प्रबंधन करके फसल ग एवं कीड़ों से बचा हैं।

न्होंने बताया कि ी फसलों में सरसों का स्थान है। डॉ.विश्वास ा कि इस समय माहू ा चेपा का प्रमुखता से की फसल में आक्रमण । इस कीट के शिशु का पौधों के कोमल तनो, पत्तियों, फूलों एवं लियों से रस चूस कर उसे कमजोर एवं क्षतिग्रस्त करते है। विश्वास ने बताया कि आसमान में बादल घिरे रहने से इसका तेजी से होता है। इस कीट के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 0.03: का छिड़काव करें या फिर जैविक नियंत्रण हेतु फसल में 2 । नीम के तेल को तरल साबुन के साथ (20 मिलीलीटर नीम का तेल, 1 मिलीलीटर तरल साबुन) में मिलाकर छिड़काव करें।

खेत में उगायी गयी सरसों की फसल।

डॉक्टर विश्वास ने रोगों के बारे में बताया कि सरसों की फसल में काला धब्बा रोग भी लगता है। यह सरसों की पत्तियों पर छोटे-छोटे गहरे भूरे गोल धब्बे बनते है। जो बाद में तेजी से बढ़ कर काले और बड़े आकार के हो जाते है। उन्होंने बताया कि रोग की अधिकता में बहुत से धब्बे आपस में मिलकर बड़ा रूप ले लेते है। फल स्वरूप पत्तियां सूख कर गिर जाती है। यह लक्षण फसल में दिखाई देते ही डाईथेन एम-45 का 0.2 प्रतिशत घोल के दो छिड़काव 15 दिन के अंतराल पर करें। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ.खलील खान ने किसानों से अपील की है कि वे अपनी सरसों की फसल की निगरानी अवश्य करते रहें। क्योंकि आसमान में बादल छाए रहने से सरसों फसल में कीट और रोग आने की संभावना बढ़ जाती है। फसल पर रोग या कीट आने पर प्रबंधन करें। जिससे फसल को कीट और रोगों से बचाया जा सके।

Sign in to edit and save changes to this file.

अमर भारती
एक उम्मीद
04 प्रदेश, 06 संस्करण
पृष्ठः 12, मूल्यः 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com सोमवार, 15 जनवरी 2024 शक सम्वत् 1945,

सरसों को रोग व कीड़ों से बचाएं किसानः डॉ. विश्वास

कानपुर (अमर भारती)। सीएसए के पादप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एसके विश्वास ने सरसों फसल के रोग एवं कीड़ों से बचाव हेतु किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि तिलहनी फसलों में सरसों का विशेष स्थान है। डॉ विश्वास ने कहा कि इस समय माहू कीट या चेपा का प्रमुखता से सरसों की फसल में आक्रमण होता है। इस कीट के शिशु का पौधों के कोमल तनो, पत्तियों, फूलों एवं नई फलियों से रस चूस कर उसे कमजोर एवं क्षतिग्रस्त करते हैं। डॉक्टर विश्वास ने बताया कि आसमान में बादल घिरे रहने से इसका प्रकोप तेजी से होता है। इस कीट के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 0.03त्न घोल का छिड़काव करें या फिर जैविक नियंत्रण हेतु फसल में 2त्न नीम के तेल को तरल साबुन के साथ(20 मिलीलीटर नीम का तेल + 1 मिलीलीटर तरल साबुन) में मिलाकर छिड़काव करें। डॉक्टर विश्वास ने रोगों के बारे में बताया कि सरसों की फसल में काला धब्बा रोग भी लगता है। यह सरसों की पत्तियों पर छोटे-छोटे गहरे

भूरे गोल धब्बे बनते हैं। जो बाद में तेजी से बढ़ कर काले और बड़े आकार के हो जाते हैं।उन्होंने बताया कि रोग की अधिकता में बहुत से धब्बे आपस में मिलकर बड़ा रूप ले लेते हैं। फल स्वरुप पत्तियां सूख कर गिर जाती हैं। यह लक्षण फसल में दिखाई देते ही डाईथेंन एम-45 का 0.2त्न घोल के दो छिड़काव 15 दिन के अंतराल पर करें। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने किसानों से अपील की है कि वे अपनी सरसों की फसल की निगरानी अवश्य करते रहें। क्योंकि आसमान में बादल छाए रहने से सरसों फसल में कीट और रोग आने की संभावना बढ़ जाती है। फसल पर रोग या कीट आने पर प्रबंधन करें। जिससे फसल को कीट और रोगों से बचाया जा सके।

Sign in to edit and save changes to this file.

डाक पंजीयन संख्या : GPOLW/NP-110/2015-17

R.N.I. No. UPHIN/2013/54341

द स्वाई ऑफ इण्डिया

लखनऊ, बाराबंकी, बहराइच, सुलतानपुर, कन्नौज, कानपुर, प्रयागराज, रायबरेली, जालौन, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर से एक साथ प्रसारित

वर्ष 11 ■ अंक 74 हिन्दी दैनिक ■ लखनऊ, सोमवार, 15 जनवरी 2024 ■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य 1.00

सरसों फसल को रोग एवं कीड़ों से बचाए किसान, करें उचित प्रबंधन– डॉ.एसके विश्वास

संवाददाता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के पादप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एसके विश्वास ने सरसों फसल के रोग एवं कीड़ों से बचाव हेतु किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि तिलहनी फसलों में सरसों का विशेष स्थान है। डॉ विश्वास ने कहा कि इस समय माहू कीट या चेपा का प्रमुखता से सरसों की फसल में आक्रमण होता है। इस कीट के शिशु का पौधों के कोमल तनो, पत्तियों, फूलों एवं नई फलियों से रस चूस कर उसे कमजोर एवं क्षतिग्रस्त करते हैं। डॉक्टर विश्वास ने बताया कि आसमान में बादल घिरे रहने से इसका प्रकोप तेजी से होता है। इस कीट के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 0.03: घोल का छिड़काव करें या फिर जैविक नियंत्रण हेतु फसल में 2: नीम के तेल को तरल साबुन के साथ(20 मिलीलीटर नीम का तेल . 1 मिलीलीटर तरल साबुन) में मिलाकर छिड़काव करें। डॉक्टर विश्वास ने रोगों के बारे में बताया कि सरसों की फसल में काला धब्बा रोग भी लगता है। यह सरसों की पत्तियों पर छोटे-छोटे गहरे भूरे गोल धब्बे बनते हैं। जो बाद में तेजी से बढ़ कर काले और बड़े आकार के हो जाते हैं।

उन्होंने बताया कि रोग की अधिकता में बहुत से धब्बे आपस में मिलकर बड़ा रूप ले लेते हैं। फल स्वरुप पत्तियां सूख कर गिर जाती हैं। यह लक्षण फसल में दिखाई देते ही डाईथेंन एम-45 का 0.2: घोल के दो छिड़काव 15 दिन के अंतराल पर करें। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने किसानों से अपील की है कि वे अपनी सरसों की फसल की निगरानी अवश्य करते रहें। क्योंकि आसमान में बादल छाए रहने से सरसों फसल में कीट और रोग आने की संभावना बढ़ जाती है। फसल पर रोग या कीट आने पर प्रबंधन करें। जिससे फसल को कीट और रोगों से बचाया जा सके।

सरसों की फसल को रोग एवं कीड़ों से बचाए किसान, करें उचित प्रबंधनः डॉ.एसके विश्वास

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पादप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एसके विश्वास ने सरसों फसल के रोग एवं कीड़ों से बचाव हेतु किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि तिलहनी फसलों में सरसों का विशेष स्थान है। डॉ विश्वास ने कहा कि इस समय माहू कीट या चेपा का प्रमुखता से सरसों की फसल में आक्रमण होता है। इस कीट के शिशु का पौधों के कोमल तनो, पत्तियों, फूलों एवं नई फलियों से रस चूस कर उसे कमजोर एवं क्षतिग्रस्त करते हैं। डॉक्टर विश्वास ने बताया कि आसमान में बादल घिरे रहने से इसका प्रकोप तेजी से होता है। इस कीट के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 0.03त्न घोल का छिड़काव करें या फिर जैविक नियंत्रण हेतु फसल में 2त्न नीम के तेल को तरल साबुन के साथ(20 मिलीलीटर नीम का तेल + 1 मिलीलीटर तरल साबुन) में मिलाकर छिड़काव करें। डॉक्टर विश्वास ने रोगों के बारे में बताया कि सरसों की फसल में काला धब्बा रोग भी लगता है। यह सरसों की पत्तियों पर छोटे-छोटे गहरे भूरे गोल धब्बे बनते हैं।

जो बाद में तेजी से बढ़ कर काले और बड़े आकार के हो जाते हैं।उन्होंने बताया कि रोग की अधिकता में बहुत से धब्बे आपस में मिलकर बड़ा रूप ले लेते हैं। फल स्वरुप पत्तियां सूख कर गिर जाती हैं। यह लक्षण फसल में दिखाई देते ही डाईथेन एम-45 का 0.2त्न घोल के दो छिड़काव 15 दिन के अंतराल पर करें।

विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने किसानों से अपील की है कि वे अपनी सरसों की फसल की निगरानी अवश्य करते रहें। क्योंकि आसमान में बादल छाए रहने से सरसों फसल में कीट और रोग आने की संभावना बढ़ जाती है। फसल पर रोग या कीट आने पर प्रबंधन करें। जिससे फसल को कीट और रोगों से बचाया जा सके।

आज का पंचांग

15 जनवरी 2024

सूर्य उदय - 06:57:10

सूर्यास्त - 17:36:03

अरुण पांडे (गुरुजी)

मेष ARIES (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

आज आप घर की बातों के प्रति अधिक ध्यान देंगे। परिजनों के साथ बैठकर अहम चर्चा करेंगे। आज आपको अपने कार्य में संतोष का अनुभव होगा। स्त्रियों की ओर से सम्मान मिल सकता है।

वृषभ TAURUS (ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)

विदेश में स्थित स्नेहीजन तथा मित्रों के समाचार आपको आनंद प्रदान करेंगे। विदेश जाने के इच्छुक व्यक्तियों के लिए अच्छा अवसर है। लंबे प्रवास का आयोजन हो सकता है।

मिथुन GEMINI (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा)

निषेधात्मक विचारों से दूर रहने की आवश्यकता हैं। नए कार्य का प्रारंभ तथा रोग उपचार प्रारंभ करना उचित नहीं होगा। क्रोध को संयम में रखें अन्यथा अनिष्टकर प्रसंग होने की संभावना है। खर्च अधिक होगा।

कर्क CANCER (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

वैभवी जीवनशैली तथा मनोरंजक प्रवृत्तियों से आज आप आनंदित रहेंगे, व्यवसायिक क्षेत्र में आपको लाभ होगा। आरोग्य अच्छा रहेगा। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा या प्रवास का आयोजन कर सकेंगे।

सिंह LEO (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)

आपका आज का दिन मध्यम फलदायी होगा। पारिवारिक सदस्यों के साथ वाणी में संयम बरतें जिससे संघर्ष टाल सकेंगे। दैनिक कार्य में विघ्न आ सकते हैं। इसलिए कार्य संपन्न होने में देर होगी।

कन्या VIRGO (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)

आज के दिन आपको किसी भी तरह के कलह और चर्चा से दूर रहने की आवश्यकता हैं। आकस्मिक खर्च की संभावना है। प्रियजन के साथ हुई मुलाकात से मन आनंदित होगा। पेट से संबंधित पीड़ा हो सकती है।

तुला LIBRA (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)

आपके लिए समय शुभ है, मन में संवेदनशीलता की मात्रा अधिक रहेगी। शारीरिक स्फूर्ति का अभाव रहेगा। मानसिक व्यग्रता भी रहेगी। धन और कीर्ति की हानि होगी। माता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

वृश्चिक SCORPIO (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)

नए कार्य के प्रारंभ के लिए आज का दिन शुभ है, दिनभर मन की प्रसन्नता बनी रहेगी। भाई-बंधुओं के साथ आवश्यक चर्चा करेंगे। आर्थिक लाभ तथा भाग्यवृद्धि के योग हैं। छोटे प्रवास का आयोजन हो सकता है।

धनु SAGITTARIUS (ये, यो, भा, भी, भू, ध, फा, ढ, भे)

आपका दिन मिश्र फलदायी है असमंजस के कारण निर्णय लेना कठिन होगा। मन में व्यग्रता रहेगी। परिजनों के साथ मनमुटाव न हो इसका ध्यान रखें। कार्य में अपेक्षित सफलता न मिलने से निराशा होगी।

मकर CAPRICORN (भो, जा, जी, खी, खू, खा, खो, गा, गी)

आज आपका प्रत्येक कार्य सरलता से पूर्ण होगा। कार्यालय में तथा व्यवसायिक स्थल पर आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पदोन्नति के योग हैं। गृहस्थ जीवन में आनंद का वातावरण रहेगा।

कुंभ AQUARIUS (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)

स्वास्थ्य के प्रति जागरुक रहने की आवश्यकता हैं। कोर्ट-कचहरी के झंझट में न पड़ें। अनुचित स्थान पर पूंजी-निवेश न हो इसका ध्यान रखिएगा। परिवार के सदस्य विरोधी व्यवहार कर सकते हैं।

मीन PISCES (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)

आज आप पारिवारिक तथा सामाजिक बातों में विशेष लिप्त रहेंगे। मित्रों से भेंट होगी और उनके पीछे खर्च करना पड़ेगा। रमणीय स्थान पर प्रवास-पर्यटन की संभावना है। प्रत्येक क्षेत्र में आपको लाभ होगा।

सरसों फसल को रोग एवं कीड़ों से बचाए किसान

डीटीएनएन |

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के पादप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एसके विश्वास ने सरसों फसल के रोग एवं कीड़ों से बचाव हेतु किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि तिलहनी फसलों में सरसों का विशेष स्थान है। डॉ विश्वास ने कहा कि इस समय माहू कीट या चेपा का प्रमुखता से सरसों की फसल में आक्रमण होता है। इस कीट के शिशु का पौधों के कोमल तनो, पत्तियों, फूलों एवं नई फलियों से रस चूस कर उसे कमजोर एवं क्षतिग्रस्त करते हैं। डॉक्टर विश्वास ने बताया कि आसमान में बादल घिरे रहने से इसका प्रकोप तेजी से होता है। इस कीट के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 0.03% घोल का छिड़काव करें या फिर जैविक नियंत्रण हेतु फसल में 2% नीम के तेल को तरल साबुन के साथ(20 मिलीलीटर नीम का तेल + 1 मिलीलीटर तरल साबुन) में मिलाकर छिड़काव करें। डॉक्टर विश्वास ने रोगों

पादप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एसके विश्वास

के बारे में बताया कि सरसों की फसल में काला धब्बा रोग भी लगता है। यह सरसों की पत्तियों पर छोटे-छोटे गहरे भूरे गोल धब्बे बनते हैं। जो बाद में तेजी से बढ़ कर काले और बड़े आकार के हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि रोग की अधिकता में बहुत से धब्बे आपस में मिलकर बड़ा रूप ले लेते हैं। फल स्वरुप पत्तियां सूख कर गिर जाती हैं। यह लक्षण फसल में दिखाई देते ही डाईथेंन एम-45 का 0.2% घोल के दो छिड़काव 15 दिन के अंतराल पर करें। विश्वविद्यालय

के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने किसानों से अपील की है कि वे अपनी सरसों की फसल की निगरानी अवश्य करते रहें। क्योंकि आसमान में बादल छाए रहने से सरसों फसल में कीट और रोग आने की संभावना बढ़ जाती है। फसल पर रोग या कीट आने पर प्रबंधन करें। जिससे फसल को कीट और रोगों से बचाया जा सके।

Sign in to edit and save changes to this file.

अंक- 304 कानपुर, सोमवार 15 जनवरी 2024 पृष्ठ-4
दैनिक
आज का कानपुर

सरसों फसल को रोग एवं कीड़ों से बचाए किसान- डॉ.एसके विश्वास

आज का कानपुर

कानपुर । सीएसए के पादप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एसके विश्वास ने सरसों फसल के रोग एवं कीड़ों से बचाव हेतु किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है उन्होंने बताया कि तिलहनी फसलों में सरसों का विशेष स्थान है। डॉ विश्वास ने कहा कि इस समय माहू कीट या चेपा का प्रमुखता से सरसों की फसल में आक्रमण होता है इस कीट के शिशु का पौधों के कोमल तनो, पत्तियों, फूलों एवं नई फलियों से रस चूस कर उसे कमजोर एवं क्षतिग्रस्त करते हैं डॉक्टर विश्वास ने बताया कि आसमान में बादल घिरे रहने से इसका प्रकोप तेजी से होता है इस कीट के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 0.03ब्र घोल का छिड़काव करें या फिर जैविक नियंत्रण हेतु फसल में 2ब्र नीम के तेल को तरल साबुन के साथ(20 मिलीलीटर नीम का तेल + 1 मिलीलीटर तरल साबुन) में मिलाकर छिड़काव करें। डॉक्टर विश्वास ने रोगों के बारे में बताया कि सरसों की फसल में काला धब्बा रोग भी लगता है। यह सरसों की पत्तियों पर छोटे-छोटे गहरे भूरे गोल धब्बे बनते हैं। जो बाद में तेजी से बढ़ कर काले और बड़े आकार के हो जाते हैं।उन्होंने बताया कि रोग की अधिकता में बहुत से धब्बे आपस में मिलकर बड़ा रूप ले लेते हैं। फल स्वरुप पत्तियां सूख कर गिर जाती हैं। यह लक्षण फसल में दिखाई देते ही डाईथेंन एम-45 का 0.2ब्र घोल के दो छिड़काव 15 दिन के अंतराल पर करें। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने किसानों से अपील की है कि वे अपनी सरसों की फसल की निगरानी अवश्य करते रहें। क्योंकि आसमान में बादल छाए रहने से सरसों फसल में कीट और रोग आने की संभावना बढ़ जाती है। फसल पर रोग या कीट आने पर प्रबंधन करें। जिससे फसल को कीट और रोगों से बचाया जा सके।